

MY-07/201**Patanjal Yog Sutra**

पातंजल योग सूत्र

M.A./M.Sc. Yoga (MSY-11/MAY-11/12/13/16/17)

Second Year, Examination, 2018

Time : 3 Hours**Max. Marks : 80**

Note : This paper is of **eighty (80)** marks containing **three (03)** Sections A, B and C. Learners are required to attempt the questions contained in these Sections according to the detailed instructions given therein.

नोट : यह प्रश्न पत्र अस्सी (80) अंकों का है जो तीन (03) खण्डों 'क', 'ख' तथा 'ग' में विभाजित है। शिक्षार्थियों को इन खण्डों में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

Section-A / खण्ड-क**(Long Answer Type Questions) / (दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)**

Note : Section 'A' contains four (04) long answer type questions of nineteen (19) marks each. Learners are required to answer *two* (02) questions only.

नोट : खण्ड 'क' में चार (04) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. Explaining Chitta describe in detail about Chittabhumis.

चित्त को समझाते हुए चित्त की भूमियों का विस्तार से वर्णन कीजिए।

2. What do you understand from Yoga Antraya ? Describe in detail.

योग अन्तराय से आप क्या समझते हैं ? विस्तृत वर्णन कीजिए।

3. Explain the nature of Ishwar.

ईश्वर के स्वरूप का वर्णन कीजिए।

4. Describe Bahirang Yoga and its effects.

बहिरंग योग एवं इसके प्रभाव का वर्णन कीजिए।

Section-B / खण्ड-ख

(Short Answer Type Questions) / (लघु उत्तरीय प्रश्न)

Note : Section 'B' contains eight (08) short answer type questions of eight (08) marks each. Learners are required to answer *four* (04) questions only.

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. Clarify the Yama and Niyama.

यम और नियम को स्पष्ट कीजिए।

2. Define Avidya.

अविद्या को परिभाषित कीजिए।

3. What do you understand from Ishwar Pranidhan ?

ईश्वर प्रणिधान से आप क्या समझते हैं ?

4. Define the term Dharna and Dhyan.
धारणा व ध्यान को परिभाषित कीजिए।
5. Discuss Kriyayog.
क्रियायोग की विवेचना कीजिए।
6. Clarify any *five* Vibhuties.
किन्हीं पाँच विभूतियों को स्पष्ट कीजिए।
7. What do you understand from Dharmamegh Samadhi ?
Discuss its effects.
धर्ममेघ समाधि से आप क्या समझते हैं ? इसके प्रभाव को बताइए।
8. Discuss concept and effects of Asana according to Patanjali Yoga Sutra.
पातंजल योग सूत्र के अनुसार आसन की अवधारणा व प्रभाव की विवेचना कीजिए।

Section-C / खण्ड-ग

(Objective Type Questions) / (वस्तुनिष्ठ प्रश्न)

Note : Section 'C' contains ten (10) objective type questions of one (01) mark each. All the questions of this Section are compulsory.

नोट : खण्ड 'ग' में दस (10) वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए एक (01) अंक निर्धारित है। इस खण्ड के सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. One can gain the state of Chitta prasadan with feelings of with happy person.
(a) Karuna

- (b) Daya
- (c) Upeksha
- (d) Maitre

सुखी के प्रति की भावना से चित्त प्रसादन की प्राप्ति होती है।

- (अ) करुणा
- (ब) दया
- (स) उपेक्षा
- (द) मैत्री

2. Reason for Hey is :

- (a) Unification between drishta and drishya
- (b) Separation between drishta and drishya
- (c) Both of them
- (d) None of the above

हेय का कारण है :

- (अ) दृष्टा और दृश्य का संयोग
- (ब) दृष्टा और दृश्य का वियोग
- (स) उपर्युक्त दोनों
- (द) उपर्युक्त में से कोई नहीं

3. One gets with practice of Asthanga Yoga :

- (a) Vivekkhyati
- (b) Peace of mind
- (c) Stability of body
- (d) Shiddhiyan

अष्टांगयोग के अभ्यास से प्राप्त होती है :

- (अ) विवेकख्याति
- (ब) मन को शान्ति
- (स) शरीर को स्थिरता
- (द) सिद्धियाँ

4. One get in the result with the practice of nonviolence :

- (a) Tyag
- (b) Vair Tyag
- (c) Moah Tyag
- (d) Fearlessness

अहिंसा के प्रतिष्ठित होने पर प्राप्त होता है :

- (अ) त्याग
- (ब) बैर त्याग
- (स) मोह त्याग
- (द) भय त्याग

5. Not a Bhumi of Chitta is :

- (a) Mudha
- (b) Vikshipta
- (c) Kshipta
- (d) Dhyanasth

चित्त की भूमि नहीं है :

- (अ) मूढ़
- (ब) विक्षिप्त
- (स) क्षिप्त
- (द) ध्यानस्थ

6. Not the method of modification of Chittavritti is :

- (a) Practice
- (b) Vairagya
- (c) Kaurna
- (d) All of the above

चित्तवृत्ति निरोध का उपाय नहीं है :

- (अ) अभ्यास
- (ब) वैराग्य
- (स) करुणा
- (द) उपर्युक्त सभी

7. One gains from practice of self-study :

- (a) Energy in body
- (b) Concentration of mind
- (c) Lightness of body
- (d) Ishtdevta ki prapti

स्वाध्याय के अभ्यास से प्राप्त होता है :

- (अ) शरीर में बल प्राप्ति
- (ब) मन की एकाग्रता
- (स) शरीर हल्कापन
- (द) इष्टदेवता की प्राप्ति

8. One gets perfection in Asana by :

- (a) Free from conflict
- (b) Concentration
- (c) Stability
- (d) None of the above

आसन सिद्धि से प्राप्त होता है :

- (अ) द्वन्द्वों से मुक्ति
- (ब) एकाग्रता
- (स) स्थिरता
- (द) उपर्युक्त में से कोई नहीं

9. Adhyatma prasada is the result of :

- (a) Vivekkhyati
- (b) Nirvichar Samadhi
- (c) Asamprajata Samadhi
- (d) Dharmamegha Samadhi

अध्यात्म प्रसाद किसका परिणाम है ?

- (अ) विवेकख्याति
- (ब) निर्विचार समाधि
- (स) असम्प्रज्ञात समाधि
- (द) धर्ममेघ समाधि

10. Yog dharshan is related to :

- (a) Astik Dharshan
- (b) Nastik Dharshan
- (c) Sunyawadi Dharshan
- (d) None of the above

योग दर्शन सम्बन्धित है :

- (अ) आस्तिक दर्शन से
- (ब) नास्तिक दर्शन से
- (स) शून्यवादी दर्शन से
- (द) उपर्युक्त में से कोई नहीं

